RAF SECTOR
NEWS CLIP
19/12/19

TO SERVE HUMANITY WITH SENSITIVE POLICING

Hindustan Meerut (U.P)

मेरठ में दंगा नियंत्रण सीखेंगे गृहयुद्ध से जूझ रहे देश

प्रशिक्षण

मेरठ | सचिन गुप्ता

गृहयुद्ध जैसे हालातों से जूझ रहे देश अब उससे निपटने के तौर-तरीके सीखेंगे। भीड़ की मानसिकता क्या है, इसे पहले ही भांपकर हालातों को काबू किया जाएगा। रोहिंग्या के संकट से निपटने की कोशिश रहे म्यांमार के सात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी भीड़ नियंत्रण सीखने के लिए मेरठ आए हैं। दूसरे चरण में भीड़ नियंत्रण कोर्स सीखने के लिए जिम्बाब्वे सरकार ने भारत सरकार को पत्र भेजा है। आरएएफ अधिकारियों का दावा है कि यदि मॉब साइकोलॉजी पर अफसरों का कंट्रोल हो जाए तो हिंसा को पहले ही रोका जा सकता है।

रैपिड एक्शन फोर्स की मेरठ स्थित 108 बटालियन परिसर में स्थापित आरएएफ एकेडमी फॉर पब्लिक आर्डर इंस्टीट्यूट (रेपो) में 'क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट' पर पहले इंटरनेशनल कोर्स की शुरुआत मंगलवार से हुई। गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय की पहल पर 17 से 24 दिसंबर तक चलने वाली ट्रेनिंग में म्यांमार देश के सात वरिष्ठ पुलिस अधिकारी आए हैं। उद्घाटन सत्र से पहले 'हिन्दुस्तान' से बातचीत में आरएएफ के आईजी अरुण कुमार ने कहा, म्यांमार के अधिकारी सीखेंगे कि भारत के विभिन्न राज्यों में हिंसा के दौरान भीड़ कैसे नियंत्रित की जाती है। भीड़ नियंत्रण के लिए कुछ नए हथियार आए हैं। इनकी तकनीकियों को भी म्यांमार के अधिकारी जानेंगे। आरएएफ के एक अन्य अधिकारी ने कहा, जिन देशों में फिलहाल गृहयुद्ध जैसे हालात हैं, उन्होंने इस तरह का कोर्स सीखने की डिमांड की है। म्यांमार में रोहिंग्या का संकट चल रहा है। अब दूसरे चरण में भीड़ नियंत्रण कोर्स सीखने के लिए जिम्बाब्वे सरकार ने भारत सरकार को पत्र भेजा है। जिम्बाब्वे में हाल ही में राष्ट्रपति रॉबर्ट मुगाबे की मौत हुई थी। इसके बाद वहां सरकार के खिलाफ प्रदर्शन की वजह से गृहयुद्ध के हालात बन गए थे।

आरएएफ के विशेषज्ञों ने माना कि भीड़ हिंसा का कोई पैटर्न नहीं होता लेकिन शुरुआत के कुछ तरीके ऐसे होते हैं, जिनसे हिंसा को पहले ही कंट्रोल किया जा सकता है। इसके लिए विदेशी अफसरों को जाट आंदोलन, किसान आंदोलन, सबरीमाला, जगन्नाथपुरी शोभायात्रा और कश्मीर पत्थरबाजी के दौरान भीड़ नियंत्रण के कुछ वीडियो दिखाए जा रहे हैं।

मंगलवार को मेरठ में आरएएफ अधिकारियों के साथ म्यांमार के पुलिस अधिकारी।

म्यांमार के अफसरों ने देखी वीडियो

मेरठ। भीड़ नियंत्रण सीखने मेरठ आए म्यांमार के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को कश्मीर में पत्थरबाजी, सबरीमाला, जगन्नाथपुरी शोभायात्रा, उप्र के जाट और किसान आंदोलन जैसे वीडियो दिखाए जा रहे हैं। उन्हें बताया जा रहा है कि हिंसा रोकने के लिए पहले भीड़ की मानसिकता को समझना होगा। आरएएफ अफसरों का कहना है कि यह ट्रेनिंग मील का पत्थर साबित होगी। मेरठ में आरएएफ-108 बटालियन स्थित रेपो प्रांगण में 'क्राउड कंट्रोल मैनेजमेंट' पर शुरू हुए इंटरनेशनल कोर्स का शुभारंभ मंगलवार को आईजी अरुण कुमार ने किया। उद्घाटन सत्र से पहले आईजी अरुण कुमार ने म्यांमार के अधिकारियों के साथ दोनों देशों के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनीतिक व कूटनीतिक संबंधों के विषय में चर्चा भी की। इस मौके पर डीआईजी संदीप गोकेल, 108 बटालियन कमांडेंट शैलेंद्र कुमार, 97 बटालियन कमांडेंट एरिक जोस, द्वितीय कमान अधिकारी केएम बुनकर, डिप्टी कमांडेंट शिल्पा कुमार, असिस्टेंट कमांडेंट सोनिया उपस्थित रहे।

Scanned with CamScanner

Dainik Bhaskar Meerut (U.P)

रैपो देगा देशभर को दंगा नियंत्रण का प्रशिक्षण

10 नवंबर 2013 को शुरुआत हुई थी मेरठ में रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) की

माई सिटी रिपोर्टर

मेरठ। मेरठ के लिए यह अच्छी खबर है। छह साल पहले जिस रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर (रैपो) की शुरुआत हुई थी, उसे अब दंगा नियंत्रण के लिए देशभर के एकमात्र प्रशिक्षण केंद्र का दर्जा मिल गया है। वेदव्यासपुरी स्थित आरएएफ की 108 वाहिनी के पास स्थित इस एकेडमी में म्यांमार से पहुंचे पुलिस अधिकारियों की मंगलवार से सात दिवसीय ट्रेनिंग के साथ ही इस कोर्स की शुरुआत हो गई। एकेडमी के एक्सपर्ट व आरएएफ की अन्य वाहिनीयों के एक्सपर्ट इन अधिकारियों को दंगा नियंत्रण के गुर सिखाएंगे। एक माह पहले ही इस प्रशिक्षण संस्थान को स्वतंत्र प्रशिक्षण केंद्र के रूप में मान्यता प्राप्त हुई है।

इस एकेडमी का उद्घाटन तत्कालीन केंद्रीय गृहमंत्री ने 10 नवंबर 2013 को किया था। गृह मंत्रालय के प्रयासों से ही भारत के इस एकमात्र दंगा नियंत्रण प्रबंधन संस्थान (आरएएफ) को म्यांमार पुलिस को प्रशिक्षण देने का अवसर मिला। इस कोर्स का विधिवत शुभारंभ करते हुए आईजी आरएएफ अरुण कुमार ने कहा कि इस कोर्स का उद्देश्य म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को दंगा नियंत्रण के सभी तकनीकी पहलुओं से रूबरू करवाना है। साथ ही आधुनिक हथियारों और विशेष योजनाओं में प्रशिक्षित करना है।

यह सिखाया जाएगा

मेरठ में इस प्रशिक्षण केंद्र में आए म्यांमार के पुलिस अधिकारियों को भीड़ मनोविज्ञान, पुलिस-पब्लिक व्यवहार, सांप्रदायिक प्रभाव, अंतरराष्ट्रीय केस स्टडी, फायर फाइटिंग, लेस लीथल वेपन व विशेष उपकरणों से परिचय, दंगा विरोधी ड्रिल, यूएन कोड ऑफ कंडक्ट, मानवाधिकार व कस्टोडियल वायलेंस व

रैपिड एक्शन फोर्स एकेडमी ऑफ पब्लिक ऑर्डर में म्यांमार से पहुंचे पुलिस अधिकारियों को ट्रेनिंग देते आरएएफ के आईजी अरुण कुमार।

01 माह पहले ही इस ट्रेनिंग सेंटर को मिली है मान्यता, आरएएफ 108 वाहिनी के पास स्थित है एकेडमी

म्यांमार से पहुंचे पुलिस अधिकारियों की सात दिवसीय ट्रेनिंग के साथ हुई कोर्स की शुरुआत

अन्य महत्वपूर्ण विषयों में ट्रेनिंग शुरू की गई है। ऐसे देश भी यहां से ट्रेनिंग लेंगे जो भीड़ हिंसा के साथ गृह युद्ध से भी परेशान हैं।

इन पर भी चर्चा की

आईजी आरएएफ अरुण कुमार ने म्यांमार के अधिकारियों के साथ दोनों देशों के सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक व कूटनीतिक संबंधों के विषय में चर्चा की। इस दौरान संदीप गोकेल, डीआईजी आरएएफ, शैलेंद्र कुमार, कमांडेंट 108 वाहिनी आरएएफ, एरिक जोस कमांडेंट 97 वाहिनी आरएएफ, केएम बुनकर द्वितीय कम अधिकारी, उप कमांडेंट शिल्पा कुमार, असिस्ट कमांडेंट गौरव कुमार, सोनिया, कौशल चौधरी, प अकोजी मौजूद रहे।

मेरठ के लिए गर्व की बात

आरएएफ के आईजी अरुण कुमार ने कहा कि मेरठ की अलग पहचान है। क्रांतिधरा में स्थापित इस प्रशिक्षण केंद्र से देश ही नहीं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान स्थापि करेगा। जहां सभी राज्यों की पुलिस, अर्धसैनिक बल के अलावा दूसरे देशों के अधिकारियों को भी दंगा नियंत्रण, भीड़ प्रबंधन एवं लोक व्यवस्था के क्षेत्र में प्रशिक्षण देगा म्यांमार पुलिस के अधिकारियों के अलावा जल्द ही यहां जिंबाब्वे और अन्य देशों के अधिकारी भी ट्रेनिंग लेंगे। इ अकादमी को लोक व्यवस्था प्रबंधन की क्षमताओं को बढ़ाने तथा प्रशिक्षण, शोध एवं विकास कार्यों हेतु एक उत्कृष्ट केंद्र के रूप में विकसित किया जा रहा है।

Scanned with CamScanner

Punjab Kesri (Delhi)

नॉर्थ-ईस्ट जिले में धारा 144, भारी पुलिस बल तैनात

पूर्वी दिल्ली, (पंजाब केसरी): राजधानी दिल्ली में जगह-जगह नागरिकता संशोधन अधिनियम के विरोध में हुए बवाल के बाद बुधवार को हालात सामान्य दिखे। सीलमपुर इलाके में बवाल के बाद माहौल शांत दिखा। पुलिस ने एहतियात के तौर पर नॉर्थ-ईस्ट डिस्ट्रिक्ट में धारा 144 लगा दी है। बवाल के मामले में पुलिस ने मंगलवार देर रात से ही छापेमारी कर अब तक कुल नौ उपद्रवियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बलवा करने के मामले में 23 उपद्रवियों की पहचान की है। इनकी गिरफ्तारी के लिए टीमें दी जा रही है। वहीं मुस्तफाबाद इलाके में भी मंगलवार रात हुए बवाल के मामले में पुलिस ने तीसरी एफआईआर दर्ज की। इससे पहले सीलमपुर और जाफराबाद इलाके में पुलिस ने दंगा करने, सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाने और ड्यूटी के दौरान पुलिस कर्मियों पर हमला करने समेत अन्य धाराओं में केस दर्ज किया था। निजी टीवी चैनलों की वीडियो, सीसीटीवी कैमरों व अन्य फुटेज की मदद से बाकी उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

जाफराबाद मुख्य सड़क पर तैनात आरएएफ के जवान। (छाया : सुभाष)

फिलहाल इलाके में भारी संख्या में पुलिस बल तैनात है। सीलमपुर इलाके में मंगलवार हुए बवाल के बाद बुधवार को यहां हालात लगभग सामान्य दिखे। 90 फीसदी से ज्यादा दुकान खुली रही। अलबत्ता सड़कों पर अन्य दिनों के मुकाबले कम ही लोग दिखाई दिए। पुलिस अधिकारी अमन कमेटी और इलाके के अन्य सामाजिक लोगों से बातचीत कर लोगों से शांति बनाए रखने की अपील कर रही थी।

(सम्पूर्ण खबर पृष्ठ-4 व 5 पर)

जामिया में जारी है प्रदर्शन...

जामिया में भी प्रदर्शन लगातार जारी है। बुधवार को भी प्रदर्शनकारी जामिया यूनिवर्सिटी के गेट संख्या-7 के पास दोपहर तक जुटे और प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस दौरान हजारों की संख्या में युवक, युवती, छात्र और स्थानीय लोग पोस्टर, बैनर लेकर मौके पर पहुंचे और जमकर नारेबाजी की। हालांकि प्रदर्शन शांतिपूर्ण रहा और कहीं से भी किसी भी प्रकार के बवाल की कोई सूचना नहीं मिली। आसपास के मार्केट सामान्य दिनों की तरह ही खुले और सड़क से लोगों की आवाजाही जारी रही। ऐतिहातन पुलिस की टीमों को इलाके में तैनात रखा गया है। साथ ही सुखदेव नगर मेट्रो स्टेशन के पास पुलिस ने बैरीकेड लगा रखी थी और सभी आने-जाने वाले लोगों और वाहनों की निगरानी की जा रही थी। हालांकि किसी को भी आने-जाने से नहीं रोका जा रहा था। उधर, प्रदर्शन के दौरान प्रदर्शनकारी भी यह सुनिश्चित कर रहे थे कि उनके प्रदर्शन की वजह से सड़क पर जाम न लगे। प्रदर्शनकारी मानवश्रृंखला बनाकर नारेबाजी कर रहे थे। उधर, क्राइम ब्रांच ने जामिया बवाल की छानबीन शुरू कर दी है और हर घटना की बारीकी से तफ्तीश कर जांच कर रही है।

Photos of Deployment/ Fam-Ex Of RAF

सी0आर0पी0एफ0 सदा अजेय, भारत माता की जय।